असतो मा सद्गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।
मृत्योर्मामृतं गमय।।

हे ईश्वर (हमको) असत्य से सत्य की ओर ले चलो।
अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।
मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो।

From falsehood lead me to truth,
From darkness lead me to the light,
From death lead me to immortality.

आर्य समाज

दयानंद महाविद्यालय
हिसार

आर्य समाज के नियम

१. सब सत्य विद्या और जो पदार्थ विद्या से जाने जाते हैं, उन सबका आदि मूल परमेश्वर है।

२. ईश्वर सच्चिदानन्दस्वरूप, निराकार, सर्वशक्तिमान्, न्यायकारी, दयालु, अजन्मा, अनन्त, निर्विकार, अनादि, अनुपम, सर्वाधार, सर्वेश्वर, सर्वव्यापक, सर्वान्तर्यामी, अजर, अमर, अभय, नित्य, पवित्र और सृष्टिकर्त्ता है, उसी की उपासना करनी योग्य है।

३. वेद सब सत्य विद्याओं की पुस्तक है। वेद का पढ़ना, पढ़ाना और सुनना-सुनाना सब आर्यों का परम धर्म है।

४. सत्य के ग्रहण करने और असत्य के छोड़ने में सर्वदा उद्यत रहना चाहिए।

५. सब काम धर्मानुसार अर्थात् सत्य और असत्य को विचार करके करने चाहिएं।

६. संसार का उपकार करना इस संसार का मुख्य उद्देश्य है, अर्थात् शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना।

७. सबसे प्रीतिपूर्वक धर्मानुसार यथायोग्य वर्तना चाहिए।

८. अविद्या का नाश और विद्या की वृद्धि करनी चाहिए।

९. प्रत्येक को अपनी ही उन्नति से सन्तुष्ट न रहना चाहिए, किन्तु सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझनी चाहिए।

१०. सब मनुष्यों को सामाजिक सर्वहितकारी नियम पालने में परतन्त्र रहना चाहिए और प्रत्येक हितकारी नियम में सब स्वतंत्र रहें।

ओ३म्
ओ३म् भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्॥

यज्ञ शाला

ओ३म् विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव।
यद् भद्रं तन्न आसुव ।। यजुर्वेद 30/3

हे सकल जगत के उत्पत्तिकर्ता, पालनकर्ता सकल सुखदायक परमेश्वर

ओ३म्

आप हमारे सब दुर्गुणों, दुर्व्यसनों और दुःखों
को दूर कर दीजिए और हमारे लिये जो भी
कल्याणकारी गुण, कर्म, स्वभाव व पदार्थ हैं,
वह हमको प्रदान कीजिये ।

O Lord! The Creator of the Universe, remove
all forms of vice and sorrow from us.
Give us those qualities that are ennobling.

गतिविधियाँ

एक नज़र....

DAYANAND COLLEGE, HISAR

ACTIVITIES OF ARYA SAMAJ

(1st July, 2020-30th June, 2021)

- Organised a Rashtrbhrat Yajna for prosperity, progress and peace of the country on the occasion of 74th birth day of Dr. Punam Suri, President, DAV Managing Committee, New Delhi on 25th March, 2021

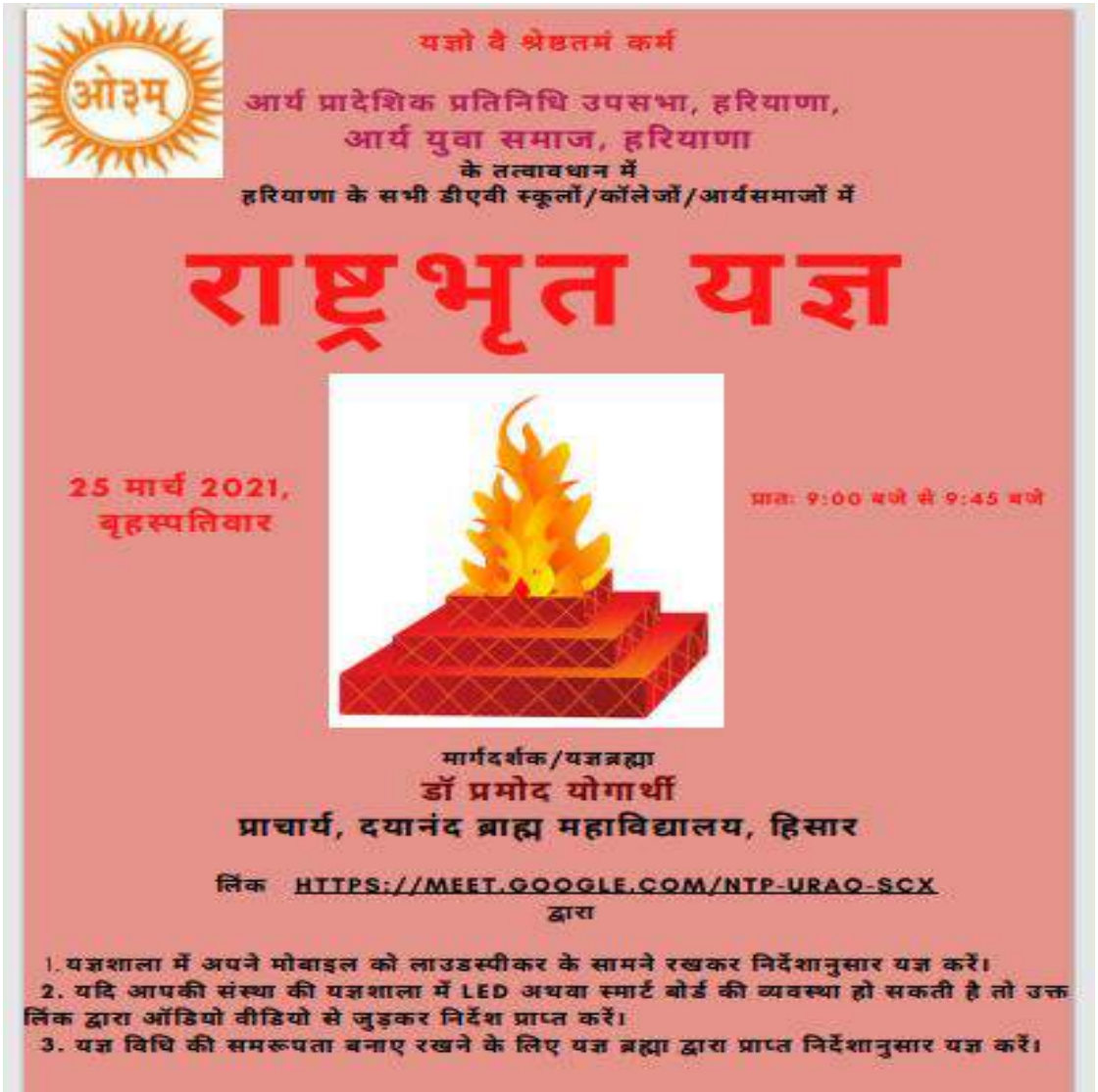

दयानन्द महाविद्यालय में राष्ट्रभृत यज्ञ का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 26 मार्च : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के द्वारा देश की खुशहाली, उन्नति व सुरक्षा के लिए प्रबन्धकृत्री समिति के प्रधान, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली पद्मश्री अलंकृत डॉ. पूनम सूरी के 74वें जन्मदिवस के अवसर पर ऑनलाइन राज्यस्तरीय राष्ट्रभृत यज्ञ का आयोजन किया गया। सकारात्मक भाव से ईश्वर प्रकृति तत्वों से किये गये आह्वान से जीवन की प्रत्येक इच्छा को पूर्ण करने वाले यज्ञ का अर्थ है- वेद सम्मत, श्रेष्ठकर्म। यज्ञ के इसी शुभभाव को जीवन में ग्रहण करने हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने राष्ट्रभृत यज्ञ में पूर्णाहुति देते हुए डॉ. पूनम सूरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी व उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की। डॉ. प्रमोद योगार्थी ने हरियाणा की सभी डी.ए.वी. संस्थाओं के साथ ऑनलाइन माध्यम से यज्ञ का संचालन किया। सम्पूर्ण वातावरण वैदिक मन्त्रों व ओउम के उच्चारण के साथ गुंजायमान हो उठा। इस यज्ञ के माध्यम से देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा की मजबूती के लिए भी कामना की। यज्ञ की समाप्ति शांति मंत्र के साथ हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व गैर-शिक्षक सदस्य अत्यन्त उत्साह के साथ यज्ञ में सम्मिलित हुए। यज्ञ के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया।

Participated in Rishi Bodhotsav organised by Arya Smaj, Hisar at Old CAV Primary School, Lajpat Rai Chowk, Hisar on 07th March 2021.

Organised a Hawan Yajna on the occasion of Foundation Day (1st June, 1950) after completing 71 year of establishment in 2021.

71 वर्ष पूर्ण होने पर दयानंद महाविद्यालय में हवन यज्ञ

हिसार/01 जून/रिपोर्टर

आज से 71 वर्ष पूर्व 1 जून 1950 को प्राचार्य ज्ञान चंद, जोकि बाद में मुनि मुनीश्वरानन्द कहलाए, ने समय की आवश्यकता तथा वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार, डीएवी आन्दोलन को आगे बढ़ाने के लिए सीएवी स्कूल से दो कमरों के भवन में दयानंद महाविद्यालय की नींव रखी। बाद में यह महाविद्यालय 1962 में संचालन तथा देख-रेख के लिए डीएवी प्रबन्धक समिति, नई दिल्ली को सौंप दिया गया। उस समय यह क्षेत्र शिक्षा में पिछड़ा हुआ था। उन्हें इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए स्थानीय दानवीरों का भी सहयोग मिला, जिसमें बक्शी रामकिशन एडवोकेट ने मुख्य रूप से सहयोग दिया। अपनी स्थापना के कुछ वर्षों के अन्दर इस महाविद्यालय की गणना पंजाब विश्वविद्यालय के अग्रणी महाविद्यालयों में होने लगी। उस समय हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश भी ग्रेटर पंजाब का हिस्सा होते थे। उस समय भी महाविद्यालय के छात्र मैरिट लिस्ट में आकर अपना परचम लहराते थे। यह संस्था दिन-प्रतिदिन शिक्षा, खेलकूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में नए-नए आयाम स्थापित करती गई तथा हरियाणा की अग्रणी संस्था बन गई। इस संस्था को राज्य सरकार शिक्षा विभाग द्वारा 1997-98 वर्ष के लिए अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय घोषित किया गया तथा इस समय इस संस्था को नैक द्वारा 'ए' ग्रेड दिया गया है। यहां से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी देश तथा विदेश में संस्था का नाम रोशन कर रहे हैं। इनमें धनपतलाल भीमा जोकि महाविद्यालय के छात्र रहे, मॉरीशियस में रक्षा मंत्री के रूप में सेवाएं दीं तथा विनीत पूनिया, अभिनेता यशपाल शर्मा, सुनीता दुग्गल, योगाचार्य प्रवीन आदि भी इस महाविद्यालय के विद्यार्थी रहे। इस समय संस्था में लगभग 6000 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यह संस्था डीएवी प्रबन्धक समिति, नई दिल्ली द्वारा संचालित तथा हरियाणा सरकार द्वारा दी गई अनुदान राशि पर चलने वाली राज्य की एक अग्रणी संस्था है। आज दयानन्द महाविद्यालय के 71 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में एक हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के साथ-साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मोनिका कक्कड़, मंजीत सिंह, नरेन्द्र कुमार, सुरजीत कौर, शर्मिला गुणपाल तथा महाविद्यालय के स्टाफ सदस्य सुरेन्द्र कादियान आदि उपस्थित रहे।

Organised a Hawan Yajna for Celebration of Birth Anniversary of Mahrishi Dayanad Saraswati on 12 February, 2021.

'जो बुरे कर्म हैं वो हमसे दूर हों व जो कल्याणकारी कर्म हैं वो हमें प्राप्त हों'

हिसार/12 फरवरी/रिपोर्टर

दयानन्द महाविद्यालय में आज महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती के उपलक्ष्य में हवन का आयोजन किया गया जिसका संचालन डॉ. प्रमोद योगार्थी व डॉ. मोनिका कक्कड़ ने किया। डॉ. प्रमोद ने कहा कि महर्षि दयानन्द जी अपने जीवन में बहुत गम्भीर चिन्तक, परोपकारी, संवेदनशील और दृढ़ निश्चयी थे। वे जीवनभर कुरीतियों व अन्याय के खिलाफ संघर्ष करते रहे। डॉ. मोनिका ने कहा कि महर्षि जी मनुष्य के स्वास्थ्य पर विशेष बल देते थे क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। उन्होंने मानव मात्र की भलाई के लिए इस मन्त्र पर बल दिया 'ओम् विश्वानि देव सवितर्दुरितानि

परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।' अर्थात 'जो बुरे कर्म हैं वो हमसे दूर हों व जो कलयाणकारी कर्म हैं वो हमें प्राप्त हों'। इस मौके पर इतिहास विभाग की ओर से आर्य समाज व इसके संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन सम्बन्धी विभिन्न पहलुओं पर भाव चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आर्य समाज की शिक्षाओं व कार्यों से अवगत करवाना है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने यज्ञाहुति दी और कहा 'वेदों की ओर लौटो' यह उनका मुख्य नारा था और उन्होंने सम्पूर्ण संसार को 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' का सिद्धान्त दिया जिसका अर्थ है – संसार को श्रेष्ठ बनाते चलो।

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Dated: 10.02.2021

Notice

A Hawan Yajna will be performed on the occasion of the Maharshi Dayanand Saraswati Jayanti on 12.02.2021 at 10:30 a.m. in Mahatma Hansraj Hall.

All the members of the staff, both, teaching and non-teaching are requested to grace the occasion with benign presence.

Principal

Copy to :

1. Dr. Monika Kakkar, Convener with the request to arrange the Hawan.

Principal

Organized an Inter-college State Level Competition (Online) for Declamation, Essay Writing and Shlokoccharan on 22-24 February, 2021.

।। आर्य समाज ।।

दयानन्द महाविद्यालय, हिसार

'निबन्ध लेखन, भाषण एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता'

मान्यवर,

सादर नमस्कार।

सादर सूचित किया जाता है कि आर्य समाज, दयानन्द महाविद्यालय, हिसार द्वारा राज्य स्तरीय अन्तर्महाविद्यालय निबन्ध लेखन, भाषण (हिन्दी एवं अंग्रेजी) एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचनाएं इस प्रकार है —

हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता के विषय :

- युग दृष्टा 'महर्षि दयानन्द' (Maharishi Swami Dayanand : Epoch Maker)
- महर्षि दयानन्द का शिक्षा दर्शन (Educational Philosophy of Maharishi Dayanand)
- महिला सशक्तिकरण के पक्षधर 'महर्षि दयानन्द' (Advocation of Women Empowerment)
- महर्षि दयानन्द : भारतीय संस्कृति के रक्षक (Protector of Indian Culture : Maharishi Dayanand)

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता के विषय :

- आधुनिक भारत के निर्माण में महर्षि दयानन्द का योगदान
- महर्षि दयानन्द का वैदिक दर्शन
- महर्षि दयानन्द : समतावादी समाज के निर्माता
- महर्षि दयानन्द का स्वाधीनता विषयक चिन्तन

प्रतियोगिता के नियम :

- प्रत्येक प्रतियोगिता में एक महाविद्यालय से दो विद्यार्थी भाग ले सकते हैं।
- समय भाषण हेतु 4 से 5 मिनट रहेगा तथा श्लोकोच्चारण हेतु 2 से 3 मिनट रहेगा।
- भाषण एवं श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं हेतु नाम भेजने की अन्तिम तिथि 15 फरवरी, 2021 है।
- हिन्दी भाषण प्रतियोगिता 22 फरवरी, अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता 23 फरवरी व श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता 24 फरवरी 2021 को ऑनलाइन होगी।
- निबन्ध की शब्द सीमा 2500–3000 है।
- निबन्ध की भाषा केवल हिन्दी रहेगी।
- निबन्ध की पी.डी.एफ. फाईल बनाकर Email ID : aryasamaj@dnc.ac.in पर 15 फरवरी, 2021 तक भेजें।

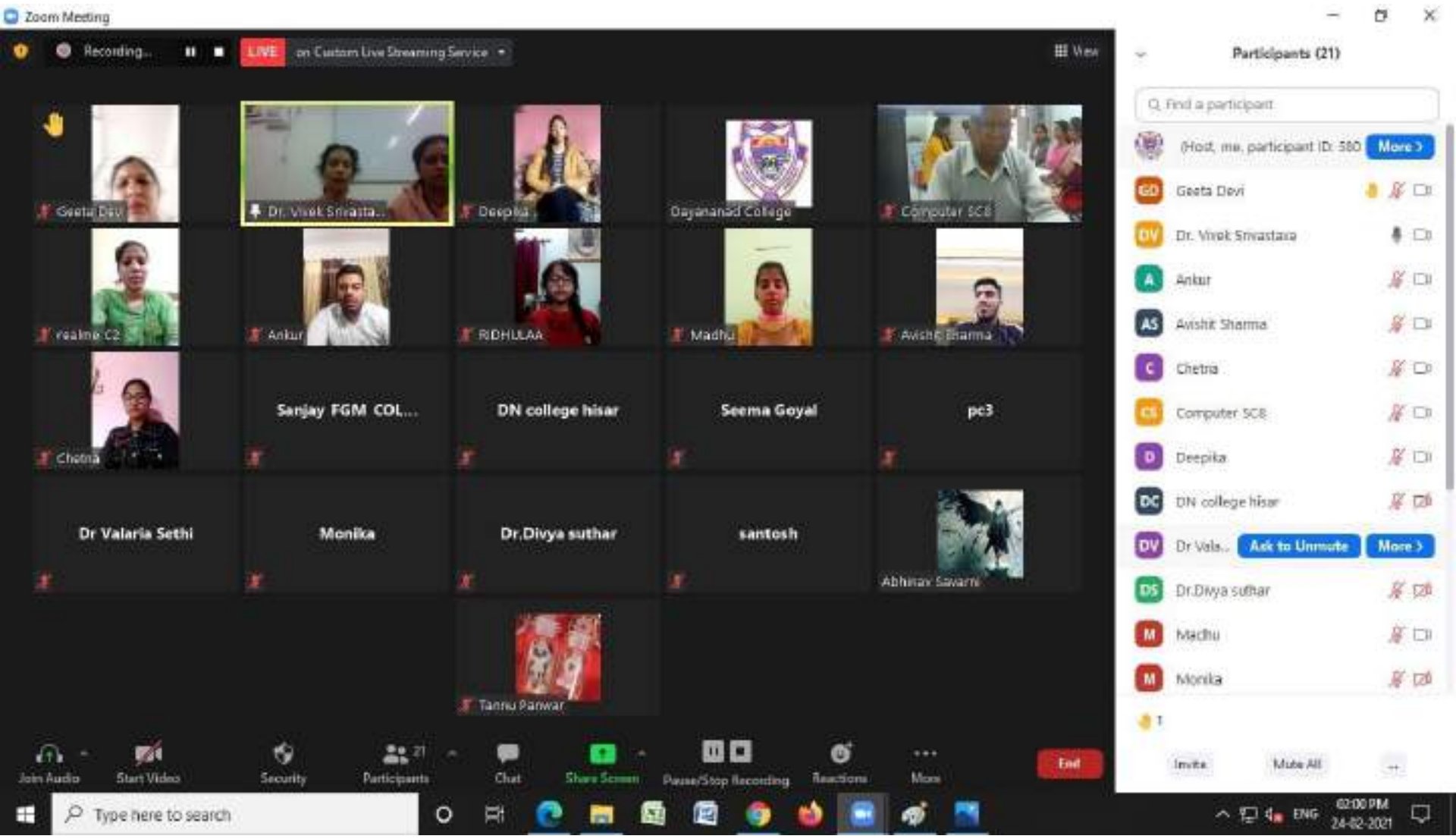
Zoom Meeting
Recording...
LIVE
on Custom Live Streaming Service
View
Participants (21)
Find a participant
(Host, me, participant ID: 580
More
Geeta Devi
Dr. Vivek Srivasta...
Deepika
Dayanand College
Computer SC8
realme C2
Ankur
RIDHLAA
Madhu
Avishi Sharma
Chetna
Sanjay FGM COL...
DN college hisar
Seema Goyal
pc3
Dr Valaria Sethi
Monika
Dr.Divya suthar
santosh
Abhinav Savarni
Tannu Panwar
Dr Vala...
Ask to Unmute
Dr.Divya suthar
Madhu
Monika
Invite
Mute All
Join Audio
Start Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
More
End
Type here to search
ENG
02:00 PM
24-02-2021

Zoom Meeting Participant ID: 936889
Sakshi Rani (D.A...
Dr. Vivek Srivast...
Pranjul aggarwal
View
Participants (34)
Find a participant
(Host, me, participant ID: 936889
Principal Dayanand C... (Co-host)
Computer SCII (Co-host)
Dr. Vivek Srivastava (Co-host)
Prof. Ashok Kumar (Co-host)
HP
DN college hisar
Dr Valaria Sethi
Dr Yashu Rai Tayal
Dr. Sangeeta
Dr. Sunita Lega
Dr.Divya suthar
Manish Jalandry (N.B.G.S.M CoL..
Manisha (N.B.G.S.M. College, S...
Invite
Mute All
Principal Dayanand College,Hisar
Join Audio
Start Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
More
End
Type here to search
ENG
01:55 PM
22-02-2021

Arya Smaj Committee Organizes Hawan Yajna on the first working day of every month.

डीएन कालेज में वैदिक रीति विधान से विशाल यज्ञ का आयोजन किया गया

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 सितम्बर : दयानन्दमहाविद्यालय, हिसार में वैदिक रीति विधान से विशाल यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह, महाविद्यालीय आर्य समाज की संयोजक डॉ. मोनिका कक्कड़, सदस्य डॉ. संगीता मलिक, डॉ. संगीता शर्मा, डॉ. सुनीता लेगा, डॉ. सुरेन्द्र बिश्नोई, डॉ. कलेरिया सेठी, प्रोफेसर मंजू शर्मा, प्रोफेसर शालु, प्रोफेसर भारती तथा नरेश कुमार सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। यज्ञ का गूगल मीट पर ऑनलाइन प्रसारण भी किया गया। यज्ञ उपरान्त विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के आशीष वचन के साथ यज्ञ सम्पन्न हुआ। डॉ. मोनिका कक्कड़ ने यज्ञ में उपस्थित सभी का आभार प्रकट किया।

डीएन कॉलेज में वैदिक रीति से किया यज्ञ

हिसार | दयानन्द कॉलेज में वैदिक रीति विधान से यज्ञ का आयोजन किया गया। इस मौके पर कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. विक्रमजीत सिंह यजमान रहे। इस दौरान डॉ. मोनिका कक्कड़, डॉ. संगीता मलिक, डॉ. संगीता शर्मा, डॉ. सुनीता लेगा, डॉ. सुरेंद्र, प्रो. मंजू शर्मा, प्रो शालू, प्रो भारती व नरेश कुमार मौजूद रहे।

•Organized a **Hawan Yajna** in **Hostel Campus.**

DAYANAND COLLEGE, HISAR

Dated : 26.02.2022

Notice

Dayanand Braham Mahavidyalya, Hisar is going to organise 51 कुण्डीय यज्ञोत्सव एवं शिलान्यास on 27th of February, 2022 (Sunday) from 02:00 p.m. to 05:00 p.m. at Dayanand Braham Mahavidyalya, Hisar. Dr. D.P. Vats, Member Rajya Sabha will be the Chief Guest on this occasion. Following members of the College Arya Samaj Committee are requested to attend the function and participate in the Havan as Yajmaan at one of the Havan Kunds allotted in the name of our college.

1) Dr. Yashu Rai
2) Dr. Sunita Lepa
3) Dr. Surender Kumar
4) Mr. Surender Singh
5) Dr. Vaiaria Sethi
6) Ms. Manju Sharma
7) Dr. Sangeeta Malik

Other Members of the staff are also invited to grace the occasion with their benign presence.

Principal

DAYANAND COLLEGE, HISAR

ACTIVITIES OF ARYA SAMAJ

(July 1st, 2021-june 30th, 2022)

▪Participated in Hawan Yajna for prosperity, progress and peace of the country organized by Dayanand Braham Mahavidyalaya, Hisar on the 27February, 2022.

Arya Samaj Committee Organizes Hawan Yajna on the first working day of every month.

▪A Yajna was performed to celebrated the Foundation Day (1st June) of Dayanand College, Hisar on 1st June 2022 in Campus.

DAYANAND COLLEGE, HISAR

ACTIVITIES OF ARYA SAMAJ

(July 1st, 2022-June 30th, 2023)

College Arya Samaj Committee Organized Hawan Yajna on 1st July, 2022. The faculty members (both teaching and non-teaching) who were born in the month of July, were specially invited for Yajman and honored by the committee.

दयानन्द महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर हवन का आयोजन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 अगस्त : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के परिसर में आज वैदिक रीति-रिवाज और मंत्रोच्चारण के साथ हवन सम्पन्न किया गया। हवन का आयोजन महाविद्यालय की आर्य समाज समीति द्वारा नए शैक्षणिक सत्र की शुभ शुरूआत की मंगल कामना के लिए किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह की गरिमामय उपस्थिति में समीति की संयोजिका डॉ. मोनिका कक्कड़ द्वारा वैदिक धर्म की अनुपालना करते हुए हवन आरम्भ किया गया। प्रत्येक मास विशेष में जन्में महाविद्यालय के शिक्षक और गैर-शिक्षक बंधुओं की हित भावना के लिए समीति इस तरह के आयोजन करती रही है। इसी कड़ी में अगस्त माह में जन्में सभी कर्मचारियों को यजमान की भूमिका के लिए आमन्त्रण दिया गया। परम्परा अनुसार प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह, डॉ. हेमन्त शर्मा, डॉ. सुनीता लेगा, डॉ. संगीता, श्रीमती शालू रानी, कुसुम रानी और कर्मपाल को जन्म माह की बधाई स्वरूप आर्य समाज समीति द्वारा पौधें भेंट किए गए और उनके स्वास्थ्य व

सुखमय जीवन के लिए हवन आहुतियाँ दी गई। प्राचार्य महोदय न नए सत्र के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉ. रेनू राठी, डॉ. शम्मी नागपाल, डॉ. सुरूचि शर्मा, डॉ. महेन्द्र सिंह, डॉ. विवेक श्रीवास्तव, डॉ. शर्मिला गुनपाल, डॉ. अर्चना मलिक, डॉ. आदित्य कुमार, मंजू शर्मा, अनिल शर्मा, मोहन लाल, नरेश, सतीश कुमार, ठाकुर सिंह, विजेन्द्र, उमेद सिंह, राजकुमार, विजय व अन्य शिक्षक व गैर-शिक्षक सदस्य मौजूद रहे।

College Arya Samaj Committee Organized ***Hawan Yajna on 1st August, 2022*** *to welcome the new academic session and well-being of the staff and students. The faculty members (both teaching and non-teaching) who were born in the month of* ***August****, were specially invited for Yajman and honored by the committee by giving plants.*

College Arya Samaj Committee Organized Hawan Yajna on 1st September, 2022 for well-being of all. The faculty members (both teaching and non-teaching) who were born in the month of September, were specially invited for Yajman and honored by the committee by giving plants.

दयानन्द महाविद्यालय में 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की शुभ भावना से हुआ हवन आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 सितम्बर : वैदिक धर्म की यज्ञ महत्ता की अनुपालना करते हुए आर्य समाज समीति द्वारा आज दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के प्रांगण में विधिवत्त हवन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की शुभ भावना और महाविद्यालय की उन्नति की मंगल कामना करने हेतु किया गया। स्मरण रहे कि इस तरह के हवन का आयोजन समीति द्वारा मास विशेष में जन्में महाविद्यालय के शिक्षक और गैर शिक्षक बंधुओं के सम्मान और सुख-समृद्धि के लिए हर माह किया जाता है। इस अवसर पर सितम्बर मास में जन्में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. चेतन शर्मा और प्रयोगशाला परिचर श्री राधेश्याम को यजमान की भूमिका के लिए आमंत्रित किया गया। यज्ञ कुण्ड की पवित्र अग्नि, मंत्रोच्चारण और वैदिक रीति-रिवाजों का अनुसरण करते हुए समीति की संयोजिका डॉ. मोनिका कक्कड़ ने हवन आरम्भ किया। उपस्थित सदस्यगण डॉ. विवेक श्रीवास्तव, डॉ. सुनीता लेगा, डॉ. गीता बिंदल, डॉ. संगीता, डॉ. वलेरिया सेठी, मंजू शर्मा, विवेक, राजेन्द्र ने यज्ञ आहुतियाँ देकर इस पुण्य कार्य में अपनी भागीदारी दी। महाविद्यालय

के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने अपने कर्मचारियों को जन्ममाह की बधाई दी और उनके उज्जवल व सुखद भविष्य की कामना की। समीति द्वारा सम्मान स्वरूप आमंत्रित्त सदस्यों को पौधे भेंट किए। डॉ. गीता बिंदल, एसोसिएट प्राध्यापिका, अंग्रेज़ी विभाग का उनकी सेवाओं के 38 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पौधा भेंट कर विशेष अभिनन्दन किया गया।

College Arya Samaj Committee performed Hawan Yajna on 15 and 16 October, 2022 on the occasion of Prize Distribution Function and Convocation.

College Arya Samaj Committee performed Hawan Yajna on 16 October, 2022 on the occasion of Convocation.

ॐ Creation

College Arya Samaj Committee Organized Hawan Yajna on 2nd November, 2022 for well-being of all and the faculty members (both teaching and non-teaching) who were born in the month of November, were specially invited for Yajman and honored by the committee by giving plants.

College Arya Samaj Committee Organized Hawan Yajna on 5th December, 2022 for celebrating the movement of being “Overall Champion in University Youth Festival” held on 29 November to 2 December, 2022 and wellbeing of faculty members (both teaching and non-teaching) who were born in the month of December. They were honored by the committee by giving plants.

College Arya Samaj Committee performedHawan Yajna on 9th January, 2023 to welcome and good will of the new Year. The mantras were recited forwellbeing of all specially for the faculty members were born in the month of January. They were honored by giving plants by the committee in glorious presence of Principal Dr. Vikramjit Singh.

नव वर्ष पर आर्य समाज समीति द्वारा दयानन्द महाविद्यालय में हवन का आयोजन

Dayanand College, Hisar

Bicentennial Celebration and Exhibition on

Swami Dayanand Saraswati

Organised by

Arya Samaj
&
Department of History

09.02.2023 to 15.02.2023

Special Guests

Sh. Hari Singh Saini

President, Arya Samaj, Nagori Gate

Sh. Ramesh Kumar Leekha

Secretary, DAV CMC, New Delhi

Detail of Programmes

Display of Exhibition and Shlokaucharan	09.02.2023
Inaugural Exhibition	10.02.2023
Bhajan Competition	11.02.2023
Yoga Competition	13.02.2023
Speech Competition	14.02.2023
Valedictory Function and Prize Distribution	15.02.2023

Dr. Monika Kakkar
Convener, Arya Samaj

Dr. Vikramjeet Singh
Principal & Patron

Dr. Mahender Singh
HOD of History

स्वामी दयानन्द सरस्वती द्विशताब्दी जयंती समारोह

दयानन्द महाविद्यालय में प्रदर्शनी के साथ साप्ताहिक कार्यक्रमों का शुभारंभ

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 10 फरवरी : दयानन्द महाविद्यालय, हिसार के इतिहास विभाग के आर्यसमाज के संयुक्त तत्वाधान में स्वामी दयानन्द सरस्वती द्विशताब्दी समारोह व प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह की कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा वर्षभर आयोजित किया जाएगा। इस कड़ी में दयानन्द महाविद्यालय में आज स्वामी दयानन्द सरस्वती के जीवनवृत कार्यों तथा आर्य समाज के योगदान को दर्शाते हुए दुलर्भ चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि चौ. हरि सिंह सैनी, प्रधान, आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक, नागोरी गेट, हिसार, श्री रमेश लोखा, सचिव, डी.ए.वी. मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली तथा श्री अनिल कुमार सहायक निदेशक डिविजनल अभिलेखागार, हिसार एवं

श्री देवेन्द्र उप्पल, सदस्य, डी.ए.वी. कॉलेज मैनेजमैंट कमेटी, नई दिल्ली रहे। कालेज में सर्वप्रथम विशेष यज्ञ का आयोजन ब्राह्म महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद योगार्थी के द्वारा किया गया। फिर प्रदर्शनी का अवलोकन रहा। इस प्रदर्शनी में स्वामी जी का टकारा (गुजरात) में प्रारम्भिक जीवन, गुरू बिरजानन्द दण्डी से शिक्षा, आर्यसमाज की स्थापना, विभिन्न तरह के कार्यों, अजमेर में जीवन आर्य समाज की शिक्षण संस्थाएं डी.ए.वी. एवं गुरूकुल प्रणाली, लाला लाजपत का हिसार प्रवास, हिसार क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों तथा स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को दर्शाते चित्र आकर्षण का केन्द्र रहे। इसी कड़ी में अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा स्थापित संग्राहलय व अभिलेखागार का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम डॉ. मोनिका ककड़ु, प्रभारी आर्य समाज द्वारा अतिथियों का अभिवादन किया गया तथा कार्यक्रम का परिचय भी दिया। डॉ. महेन्द्र सिंह, इतिहास विभाग द्वारा प्रदर्शनी का उद्देश्य, महत्व, आर्य समाज की भूमिका व महत्व तथा स्वामी दयानन्द के जीवन दर्शन, व्यक्तित्व व कृतितत्व पर प्रकाश डाला गया। विशिष्ट अतिथि चौधरी हरि सिंह सैनी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को सीख दी कि वे स्वामी दयानन्द से प्रेरणा लें। उन्हें कालेज को आर्य समाज द्वारा हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन भी दिया। श्री रमेश लोखा जी द्वारा आर्य समाज के मूल्यों व आदर्शों को रेखांकित किया गया तथा भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को वर्णित किया। श्री अनिल कुमार जी द्वारा आर्य समाज से सम्बन्धित दस्तावेज़ों तथा उनके रखरखाव के महत्व पर जोर दिया।

श्री देवेन्द्र उप्पल ने अपने सम्बोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे नई विचारधार के साथ वेदों को भी अपनाएं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह द्वारा भारतीय जनमानस के जीवन में आर्य समाज, हरियाणा के सांस्कृतिक धरोहर में आर्य समाज के महत्व को विशेष तौर पर प्रस्तुत किया। उन्होंने महाविद्यालय में इस विषय पर वर्षभर चलने वाली गतिविधियों पर भी चर्चा की। डॉ. विवेक श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी उनमें मार्गदर्शन देते रहने का अनुरोध किया। यह प्रदर्शनी इतिहास परिषद के तत्वाधान तथा मेहनत का प्रतिफल रही तो उनकी उपस्थिति व भूमिका सराहनीय रही। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सुरूचि शर्मा, इतिहास विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री महेन्द्र सिंह, आर्य समाज से जुड़े शिक्षक, कॉलेज गवर्निंग बॉडी के सदस्य श्री मंजीत सिंह, श्री अनिल शर्मा, शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्री विजय सिंह, सचिव श्री चेतन शर्मा, गैर-शिक्षक स्टाफ के प्रतिनिधि श्री सुरेन्द्र कादियान के साथ-साथ शिक्षक स्टाफ व गैर शिक्षक स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे। यह प्रदर्शनी 15.02.2023 तक विद्यार्थियों तथा जनसामान्य के लिए खुली रहेगी।

स्वामी दयानंद से प्रेरणा लें विद्यार्थी : हरिसिंह सैनी

नभ-छोर न्यूज ▸▸ 10 फरवरी

हिसार। दयानंद महाविद्यालय के इतिहास विभाग व आर्य समाज के संयुक्त तत्वावधान में स्वामी दयानन्द सरस्वती द्विशताब्दी समारोह व प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ।

महाविद्यालय में आज स्वामी दयानन्द सरस्वती के जीवनकृत कार्यों तथा आर्य समाज के योगदान को दर्शाते हुए दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि हरि सिंह सैनी, प्रधान, आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक, नागोरी गेट, रमेश लीखा सचिव, डीएवी मैनेजिंग कमेटी नई दिल्ली तथा अनिल कुमार सहायक निदेशक डिविजनल अभिलेखागार एवं देवेन्द्र उप्पल, सदस्य, डीएवी कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी नई दिल्ली रहे। कालेज में सर्वप्रथम विशेष यज्ञ का आयोजन द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद योगार्थी द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में स्वामी जी का टंकारा (गुजरात) में प्रारम्भिक जीवन, गुरु विरजानन्द दण्डी से शिक्षा, आर्यसमाज की स्थापना, विभिन्न तरह के कार्यों, अजमेर में जीवन आर्य समाज की शिक्षण संस्थाएं डीएवी एवं गुरुकुल प्रणाली, लाला लाजपत का हिसार प्रवास, क्षेत्र में आर्य समाज की गतिविधियों तथा स्वतंत्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को दर्शाते चित्र आकर्षण का केन्द्र रहे।

इस अवसर डॉ. मोनिका कक्कड़, प्रभारी आर्य समाज द्वारा अतिथियों का अभिवादन किया गया। डॉ. महेन्द्र सिंह, इतिहास विभाग द्वारा प्रदर्शनी का उद्देश्य, महत्व, आर्य समाज की भूमिका व महत्व तथा स्वामी दयानन्द के जीवन दर्शन, व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। विशिष्ट अतिथि हरिसिंह सैनी ने विद्यार्थियों को सीख दी कि वे स्वामी दयानन्द से प्रेरणा लें। उन्होंने कालेज को आर्य समाज द्वारा हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन भी दिया। रमेश लीखा द्वारा आर्य समाज के मूल्यों व आदर्शों को रेखांकित किया गया तथा भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में आर्य समाज की भूमिका को वर्णित किया। अनिल कुमार द्वारा आर्य समाज से सम्बन्धित दस्तावेजों तथा उनके रखरखाव के महत्व पर जोर दिया। देवेन्द्र उप्पल ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे नई विचारधारा के साथ वेदों को भी अपनाएं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह द्वारा भारतीय जनमानस के जीवन में आर्य समाज, हरियाणा के सांस्कृतिक धरोहर में आर्य समाज के महत्व को विशेष तौर पर प्रस्तुत किया। डॉ. विवेक श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सुरुचि शर्मा, इतिहास विभाग द्वारा किया गया। इस मौके पर महेन्द्र सिंह, मंजीत सिंह, अनिल शर्मा, विजय सिंह, चेतन शर्मा, सुरेन्द्र कादियान मौजूद थे।

भजन व श्लोकोच्चारण में कृष्णा ने मारी बाजी

नभ-छोर न्यूज ▸▸ 11 फरवरी

हिसार। दयानंद महाविद्यालय में स्वामी दयानन्द सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में पंचदिवसीय कार्यक्रम विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया जा रहा है जिसके तीसरे दिन श्लोकोच्चारण व भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के जीवन पर प्रकाश डाला व विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। हिन्दी व संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका कक्कड़ ने अपने बहुमूल्य विचारों से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। संस्कृति और संस्कृत के पोषक स्वामी दयानन्द सरस्वती के महानतम कार्यों को याद किया। संयोजक की भूमिका डॉ. अर्चना मलिक व मंजू शर्मा ने निभाई व सहायक की भूमिका में विवेक रहे।

निर्णायकमण्डल की भूमिका डॉ. चांदनी व डॉ. शालू व पूनम कुमारी ने निभाई। मंच संचालन डॉ. सुमनबाला व हिम्मत ने किया। श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में कृष्णा, कमलकान्त और सुमित ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। भजन प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा कृष्णा ने प्रथम स्थान, बीए तृतीय वर्ष के छात्र कृष्ण ने द्वितीय स्थान तथा बीए प्रथम वर्ष के छात्र ममोक्षु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ-साथ लगभग सभी विभागों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर हिसार भास्कर 12-02-2023

के खिताब से नवाजा गया।

श्लोकोच्चारण स्पर्धा में कृष्णा अव्वल

सिटी रिपोर्टर • दयानंद कॉलेज में स्वामी दयानंद सरस्वती के द्विशताब्दी समारोह के तीसरे दिन श्लोकोच्चारण व भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन पर प्रकाश डाला व विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्लोकोच्चारण में कृष्णा, कमलकोज और सुमित ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। भजन प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा कृष्णा ने प्रथम स्थान, बीए तृतीय वर्ष के छात्र कृष्ण ने द्वितीय स्थान तथा बीए प्रथम वर्ष के छात्र ममोक्षु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संयोजक की भूमिका डॉ. अर्चना मलिक व मंजू शर्मा ने

निभाई व सहायक की भूमिका में विवेक रहे। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. चांदनी, डॉ. शालू व पूनम कुमारी ने निभाई। मंच संचालन डॉ. सुमनबाला व हिम्मत ने किया। हिन्दी व संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका ककड़ मौजूद रहीं।

दैनिक भास्कर हिसार भास्कर 14-02-2023

डीएन कॉलेज में योग प्रतियोगिता में मुकेश रहा प्रथम और दीपक द्वितीय

सिटी रिपोर्टर • दयानंद कॉलेज में स्वामी दयानंद सरस्वती जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने सभी विद्यार्थियों को योग के लाभ के बारे में बताया और योग करने का आह्वान किया। डॉ. पूजा कलोई ने वर्तमान की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग की आवश्यकता पर बल दिया। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. मोनिका ककड़ ने स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। मंच संचालन प्रो. हिम्मत एवं अमरनाथ ने किया। डॉ. दीपक एवं पंकज ने सहायक की भूमिका निभाई। योग प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में मुकेश प्रथम, दीपक द्वितीय व गीता तृतीय स्थान ने प्राप्त किया।

DAYANAND COLLEGE, HISAR
SWAMI DAYANAND
SARASWATI

SARASWATI

The last photograph (1883)

Dayanand College Yoga (M&W) Competition
Venue: Mahatma Hansraj Hall on 13.02.2023

महर्षि दयानंद सरस्वती आधुनिक युग के प्रमुख दार्शनिक : स्वामी आर्यवेश

दयानंद महाविद्यालय हिसार में स्वामी दयानंद सरस्वती जी के द्विशताब्दी जयन्ती समारोह का हुआ समापन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 15 फरवरी : दयानंद महाविद्यालय हिसार में स्वामी दयानंद सरस्वती जी के द्विशताब्दी जयन्ती समारोह के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के समापन समारोह का आयोजन हवन यज्ञ को शुरुआत के साथ किया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी आर्यवेश जी व विशिष्ट अतिथि सत्यपाल अग्रवाल अध्यक्ष सजग संस्था, सत्यप्रकाश आर्य कोषाध्यक्ष आर्य समाज नागोरी गेट, धर्मेन्द्र सिंह जी का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन व प्रदर्शनी अवलोकन के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई। इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने स्वामी आर्यवेश जी और अतिथियों को इस प्रदर्शनी से परिचित करवाते हुए बताया कि चित्रों की भाषा शब्दों से कई गुना ज्यादा होती है

इसलिए यह प्रदर्शनी बच्चों के भविष्य के लिए एक ऐतिहासिक धरोहर साबित होगी। दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र रहे स्वामी आर्यवेश जी आज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पधारे हैं, यह कॉलेज के लिए गौरव की बात है। स्वामी आर्यवेश जी आर्य समाज के लिए आज प्रकाश पुंज की तरह है। आज पतन के युग में स्वामी दयानंद सरस्वती के विचार प्रासंगिक है और स्वामी आर्यवेश जी ने आर्य समाज के विचारों को हम सब से परिचित करवाकर महान कार्य किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी आर्यवेश ने बताया कि आजादी के इतिहास से अगर ऋषि दयानंद को हटा दिया जाए तो स्वाधीनता संग्राम फीका पड़ जाएगा। दुनिया के इतिहास में महर्षि दयानंद सरस्वती प्रमुख दार्शनिक उभर कर आते हैं। वेद ही सब सत्य विद्याओं की पुस्तक हैं। उन्हें गर्व है कि वो डीएन कॉलेज के 1970 में विद्यार्थी रहे हैं। स्वामी दयानंद ने त्रैतवाद का समर्थन किया। आर्य समाज 3डी का सिद्धांत देता है जिसका मतलब है हमें संदेह करना चाहिए, बहस करनी चाहिए और असहमत होना चाहिए। आजादी के दौरान के अनेक क्रांतिकारियों के गुरु स्वामी दयानंद सरस्वती रहे थे। विदित हो कि 1980 में स्वामी आर्यवेश जी ने डीएन कॉलेज में आर्य चरित्र निर्माण शिविर भी लगाया था जिसमें हजारों लोगों ने भागीदारी की थी। आर्य समाज दयानंद महाविद्यालय की संयोजिका डॉ. मोनिका ककड़ ने स्वामी दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाओं पर अमल करने की अपील की और सुरेंद्र बिश्नोई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. निर्मल द्वारा किया गया। दयानंद महाविद्यालय हिसार के जनसंपर्क अधिकारी नरेन्द्र सोनी ने बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर दयानंद महाविद्यालय में एक सप्ताह तक आर्य समाज व इतिहास विभाग के तत्वावधान में प्रदर्शनी व विभिन्न प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उन सभी कार्यक्रमों में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित भी किए गए। कार्यक्रम में संकल्प लिया गया कि प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के नेतृत्व में पूरे वर्ष महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. मोनिका ककड़, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. सुरेंद्र विश्नोई, प्रो. अरुणा कद, डॉ. रेनू राठी, डॉ. शर्मिला गुनपाल, डॉ. शम्मो नागपाल व गैर शिक्षक कर्मचारी सुरेंद्र कादयान व अनिल शर्मा और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

DAYANAND COLLEGE, HISAR
Bicentennial Celebration and Exhibition on
SWAMI DAYANAND SARASWATI
9-2-2023 to 15-2-2023
ORGANISED BY :
& DEPARTMENT OF HISTORY

DAYANAND COLLEGE, HISAR

DAYANAND COLLEGE, HISAR
Bicentennial Celebration and Exhibition on
SWAMI DAYANAND

बुधवार, 15 फरवरी, 2023 हिसार

महर्षि दयानंद सरस्वती आधुनिक युग के प्रमुख दार्शनिक : स्वामी आर्यवेश

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। दयानंद महाविद्यालय हिसार में स्वामी दयानंद सरस्वती जी के द्विशताब्दी जयन्ती समारोह के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के समापन समारोह का आयोजन हवन यज्ञ की शुरुआत के साथ किया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने पुष्प गुच्छ भेंट कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी आर्यवेश जी व विशिष्ट अतिथि सत्यपाल अग्रवाल अध्यक्ष सजग संस्था, सत्यप्रकाश आर्य कोषाध्यक्ष आर्य समाज नागोरी गेट, धर्मेन्द्र सिंह जी का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन व प्रदर्शनी अवलोकन के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत हुई।

इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह ने स्वामी आर्यवेश जी और अतिथियों को इस प्रदर्शनी से परिचित करवाते हुए बताया कि चित्रों की भाषा शब्दों से कई गुना ज्यादा होती है इसलिए यह प्रदर्शनी बच्चों के भविष्य के लिए एक ऐतिहासिक धरोहर साबित होगी। दयानंद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के पूर्व छात्र रहे स्वामी आर्यवेश जी आज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पधारे हैं, यह कॉलेज के लिए गौरव की बात है। स्वामी आर्यवेश जी आर्य समाज के लिए आज प्रकाश पुंज की तरह है। आज पतन के युग में स्वामी दयानंद सरस्वती के विचार प्रासंगिक है और स्वामी आर्यवेश जी ने आर्य समाज के विचारों को हम सब से परिचित करवाकर महान कार्य किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी आर्यवेश ने बताया कि आजादी के इतिहास से

अगर ऋषि दयानंद को हटा दिया जाए तो स्वाधीनता संग्राम फीका पड़ जाएगा। दुनिया के इतिहास में महर्षि दयानंद सरस्वती प्रमुख दार्शनिक उभर कर आते हैं। वेद ही सब सत्य विद्याओं की पुस्तक हैं। उन्हें गर्व है कि वो डीएन कॉलेज के 1970 में विद्यार्थी रहे हैं। स्वामी दयानंद ने त्रैतवाद का समर्थन किया। आर्य समाज 3डी का सिद्धांत देता है जिसका मतलब है हमें संदेह करना चाहिए, बहस करनी चाहिए और असहमत होना चाहिए। आजादी के दौरान के अनेक क्रांतिकारियों के गुरु स्वामी दयानंद सरस्वती रहे थे। विदित हो कि 1980 में स्वामी आर्यवेश जी ने डीएन कॉलेज में आर्य चरित्र निर्माण शिविर भी लगाया था जिसमें हजारों लोगों ने भागीदारी की थी। आर्य समाज दयानंद महाविद्यालय की संयोजिका डॉ. मोनिका ककड़ ने स्वामी दयानंद सरस्वती जी की शिक्षाओं पर अमल करने की अपील की और सुरेंद्र बिश्नोई ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. निर्मल द्वारा किया गया। दयानंद महाविद्यालय हिसार के जनसंपर्क अधिकारी नरेन्द्र सोनी ने बताया कि स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर दयानंद महाविद्यालय में एक सप्ताह तक आर्य समाज व इतिहास विभाग के तत्वावधान में प्रदर्शनी व विभिन्न प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उन सभी कार्यक्रमों में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित भी किए गए। कार्यक्रम में संकल्प लिया गया कि प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह के नेतृत्व में पूरे वर्ष महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर डॉ. मोनिका ककड़, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. सुरुचि शर्मा, डॉ. सुरेंद्र बिश्नोई, प्रो. अरुणा कद, डॉ. रेनू राठी, डॉ. शर्मिला गुलपाल, डॉ. शम्मी नागपाल व गैर शिक्षक कर्मचारी सुरेंद्र कादयान व अनिल शर्मा और सैंकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Hawan held on **3 March, 2023**

संगठन सूत्र

हे प्रभु तुम शक्तिशाली, हो बनाते सृष्टि को;
वेद सब गाते तुम्हें है, कीजिए धन वृष्टि को।।

प्रेम से मिलकर चलें, बोलो सभी ज्ञानी बनें;
पूर्वजों की भाँति हम, कर्तव्य के मानी बनें।।

हो विचार समान सबके, चित्त मन सब एक हों;
ज्ञान देता ये बराबर, भोग्य पा सब नेक हों ।।

हों सभी के चित्त तथा, संकल्प अविरोधी सदा;
मन भरें हों प्रेम से, जिससे बढ़े सुख सम्पदा ।।

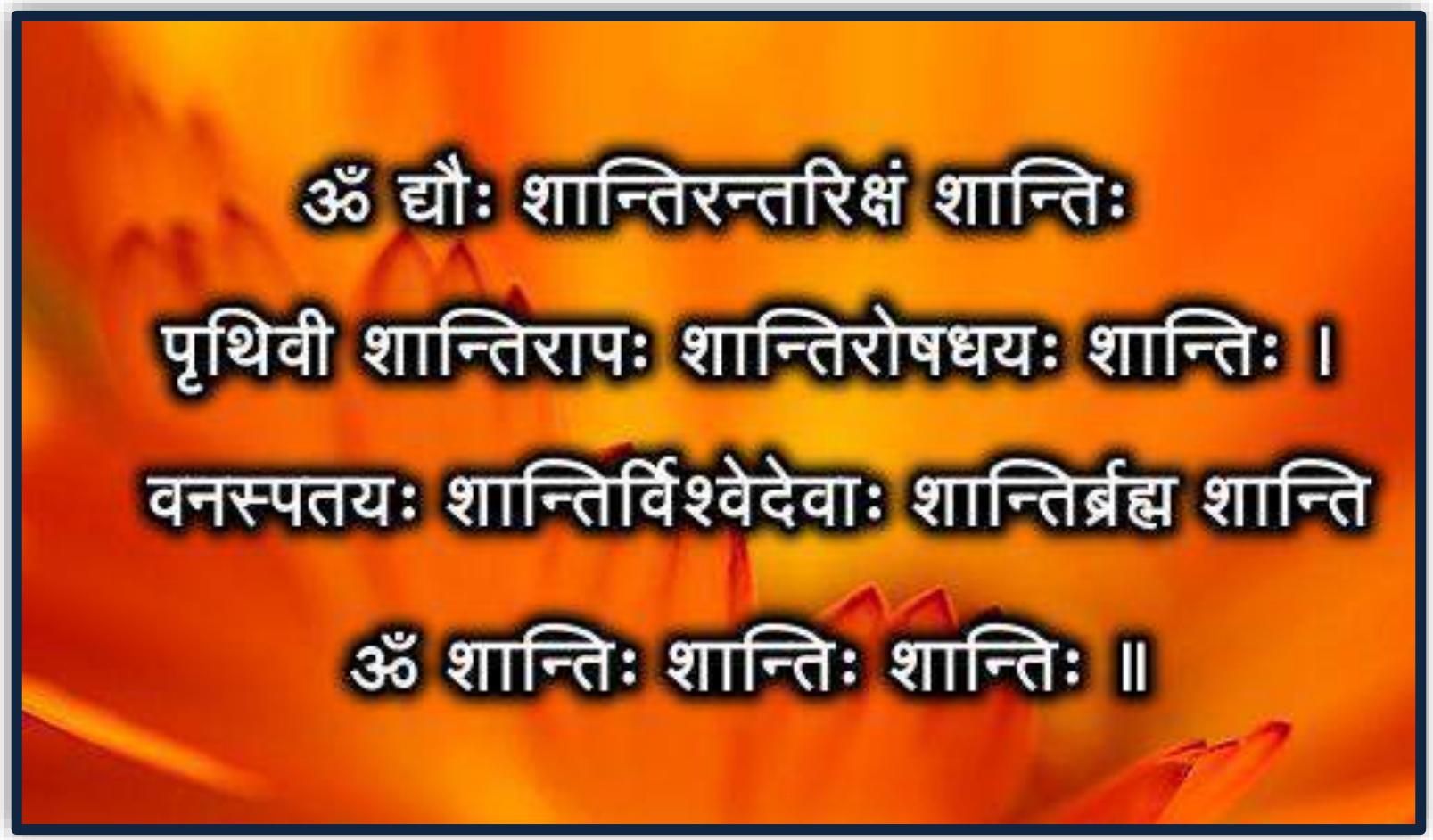
ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः
पृथिवी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः ।
वनस्पतयः शान्तिर्विश्वेदेवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्ति
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥